सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
Savitribai Phule Pune University, Pune

हिंदी पाठ्यक्रम
Hindi Syllabus

संबंद्ध महाविद्यालयों के लिए
For Affiliated colleges

बी. ए. तृतीय वर्ष कला
(पंचम एवं षष्ठ अयन)
Fifth & Sixth Semester

शैक्षिक वर्ष
Academic year

2021-2022

अनुक्रम

बी. ए. तृतीय वर्ष कला

पंचम एवं षष्ठ अयन **(Fifth & Sixth Semester)**

शैक्षिक वर्ष 2021–22 से

कोर्स नं.	पंचम एवं षष्ठ अयन	क्रेडिट	पृष्ठ क्रमांक
बी. ए. तृतीय वर्ष कला			
Core Course -1E (G-3)	कथेतर विधाएँ (पंचम अयन)	3	
Core Course -1F (G-3)	गज़ल विधा और पत्राचार (षष्ठ अयन)	3	
बी. ए. तृतीय वर्ष कला – वैकल्पिक प्रयोजनमूलक हिंदी			
Core Course -1E (G-3)	प्रयोजनमूलक हिंदी : कार्यालयीन व्यवहार (पंचम अयन)	3	
Core Course -1F (G-3)	प्रयोजनमूलक हिंदी : माध्यम लेखन (षष्ठ अयन)	3	
बी. ए. तृतीय वर्ष कला (हिंदी विशेष)			
Discipline Specific Elective DSE 1 C (S3)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय) (पंचम अयन)	3+1	
Discipline Specific Elective 2 C (S4)	भाषाविज्ञान (सामान्य परिचय) (पंचम अयन)	3+1	
Discipline Specific Elective 1 D (S3)	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल सामान्य परिचय) (षष्ठ अयन)	3+1	
Discipline Specific Elective 2 D (S4)	हिंदी भाषा और उसका विकास (षष्ठ अयन)	3+1	
बी. ए. तृतीय वर्ष कला			
Skill Enhancement Course 2 C	पटकथा लेखन (पंचम अयन)	2	
Skill Enhancement Course SEC 2 D	साहित्य और फिल्मांतरण (षष्ठ अयन)	2	

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1E (G3)** पाठ्यचर्या : कथेतर विधाएँ

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को संस्मरण साहित्य से अवगत करना।
2. छात्रों को रेखाचित्र साहित्य से अवगत करना।
3. छात्रों को मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।
4. सभा–इतिवृत्त लेखन कौशल वृद्धि का विकास करना।
5. वार्ता–लेखन कौशल दृष्टि निर्माण करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई– **I**	संस्मरण : 1. शरत् : एक याद – अमृतलाल नागर 2. प्रेमचंद : एक स्मरण – महादेवी वर्मा 3. हम हशमत – कृष्णा सोबती 4. त्यागमूर्ति 'निराला' – शिवपूजन सहाय	15 तासिकाएँ
इकाई– **II**	रेखाचित्र : 1. पीपल – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' 2. डबली बाबू – विनय मोहन शर्मा 3. अमृत के स्रोत – जगदीश माथुर। 4. रजिया – रामवृक्ष 'बेनीपुरी'	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम : 1. सभा–इतिवृतलेखन 2. वार्ता–लेखन	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और II पर (दो + दो) चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. अ) इकाई – I पर दो में से एक संदर्भ : 14 अंक

ब) इकाई – II पर दो में से एक संदर्भ :

प्रश्न 5. क) सभा इतिवृतलेखन दो में से एक प्रश्न : 14 अंक

ख) वार्ता लेखन दो में से एक प्रश्न :

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाठ्यपुस्तक : संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल – राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी रेखाचित्र – डॉ. हरवंशलाल शर्मा
3. यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास – डॉ. सुरेंद्र माथुर
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य – डॉ. ईरेश स्वामी

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1F (G3)** पाठ्यचर्या : गज़ल विधा और पत्राचार

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को गज़ल साहित्य से अवगत करना।
2. छात्रों को गज़लकार के व्यक्तित्व से अवगत करना।
3. छात्रों में मूल्यांकन की दृष्टि का विकास करना।
4. छात्रों को सरकारी पत्र लेखन से अवगत करना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	'साये में धूप' (गज़ल संग्रह) – दुष्यंत कुमार 1. गज़ल : अर्थ, परिभाषा, तत्व। 2. दुष्यंत कुमार का साहित्यिक परिचय। ग़ज़ल रचनाएँ : (साये में धूप) 1. कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कहाँ चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए... 2. कैसे मंजर सामने आने लगे हैं, गाते–गाते लोग चिल्लाने लगे हैं... 3. इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है, नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है... 4. भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ, आजकल दिल्ली में है जेरे बहस ये मुद्दआ... 5. कहीं पे धूप की चादर बिछाके बैठ गए, कहीं ये शाम सिरहाने लगा के बैठ गए... 6. चाँदनी छत पे चल रही होगी, अब अकेली टहल रही होगी...	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	गज़ल रचनाएँ : (साये में धूप) 1. हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए, इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए... 2. आज सड़कों पर लिखे हैं सैकडों नारे न देख, घर अँधेरा देख तू, आकाश के तारे न देख... 3. मेरे गीत तुम्हारे पास सहारा पाने आएँगे, मेरे बाद तुम्हें ये मेरी याद दिलाने आएँगे... 4. ये सच है कि पाँवों ने बहुत कष्ट उठाए, पर पाँव किसी तरह राहों पे तो आए... 5. बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, और नदियों के किनारे घर बने हैं...	15 तासिकाएँ

	6. रोज़ जब रात को बारह का गजर होता है, यातनाओं के अँधेरे में सफ़र होता है... 7. एक कबूतर, चिट्ठी लेकर, पहली–पहली बार उडा, मौसम एक गुलेल लिये था पट से नीचे आन गिरा... 8. मैं जिसे ओढ़ता–बिछाता हूँ, वो गज़ल आपको सुनाता हूँ... 9. अब किसी को भी नज़र आती नहीं कोई दरार, घर की हर दीवार पर चिपके हैं इनते इश्तहार... 10. तुम्हारे पाँवों के नीचे कोई जमीन नहीं, कमाल ये है कि फिर भी तुम्हें यकीन नहीं...	
इकाई–**III**	पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम : सरकारी पत्रलेखन : 1. सरकारी पत्र, 2. अर्द्ध सरकारी पत्र 3. कार्यालय ज्ञापन 4. परिपत्र 5. कार्यालय आदेश	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और II पर (दो + दो) चार टिप्पणी में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. अ) इकाई – I पर दो में से एक संदर्भ : 14 अंक

ब) इकाई – II पर दो में से एक संदर्भ :

प्रश्न 5. पत्रलेखन चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. साये में धूप (ग़ज़ल संग्रह) – दुष्यंत कुमार
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. तेजपाल चौधरी
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
5. दुष्यंत कुमार और उनका काव्य – डॉ. सुरेश साळुंके
6. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हिंदी – डॉ. अनंत केदारे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)** वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1E (G3)** वैकल्पिक पाठ्यचर्या : प्रयोजनमूलक हिंदी कार्यालयीन व्यवहार

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को कार्यालयीन कार्यपद्धति की जानकारी देना।
2. छात्रों को सरकारी पत्राचार के प्रकारों, स्वरूप, भाषा शैली आदि की जानकारी देना।
3. छात्रों को क्षेत्र–कार्य प्रणाली से परिचित कराना।
4. छात्रों को राजभाषा हिंदी का संवैधानिक प्रावधान, हिंदी प्रचार प्रसार कार्य से परिचित करना।
5. छात्रों को अनुवाद प्रक्रिया से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	भाषा के विविध रूप : बोली, भाषा, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	कार्यालयीन हिंदी पत्राचार : अ) सरकारी पत्र की विशेषताएँ : शुद्धता, सरलता, निर्वैयक्तिकता, तथ्यों में स्पष्टता, असंदिग्धता, संक्षिप्तता, क्रमबद्धता, शिष्टता, प्रभावोत्पादकता, वैशिष्ट्यपूर्ण भाषा आदि। आ) सरकारी पत्रों के विविध रूप और प्रकार – सरकारी पत्र, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति, निविदा, परिपत्र, कार्यालय आदेश, आवेदन पत्र।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	अनुवाद : अनुवाद प्रक्रिया तथा कार्यालयीन अनुवाद अ) अनुवाद स्वरूप, महत्व : अनुवाद प्रक्रिया, हिंदी में अनुवाद का महत्व, सूचना तकनीक में अनुवाद का महत्व। आ) अनुवादक के गुण। इ) कार्यालयीन अनुवाद (100 शब्दों परिच्छेद, अंग्रेजी अथवा मराठी से हिंदी अनुवाद)	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 52

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. कार्यालयीन अनुवाद 100 शब्दों का परिच्छेद : 07 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
2. राजभाषा हिंदी – डॉ. भोलनाथ तिवारी
3. प्रयोजनमूलक हिंदी – रवींद्रनाथ तिवारी
4. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. राजभाषा हिंदी : विवेचन और प्रयुक्ति – डॉ. किशोर वासवानी
6. भारत का संविधान प्राधिकृत संस्करण 2005
7. राजभाषा हिंदी – सेठ गोविंददास
8. राजभाषा प्रबंधन – डॉ. गोवर्धन ठाकुर
9. हिंदी : राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक – विमलेश कांति वर्मा
10. बारहवीं सदी से राजकाज में हिंदी – रामबाबू शर्मा
11. भारतीय राष्ट्रभाषा : सीमाएँ तथा समास्याएं – डॉ. सत्यव्रत
12. राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास – उदयनारायण दुबे
13. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हिंदी – डॉ. अनंत केदारे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)** वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : **Core Course – 1F (G3)** वैकल्पिक पाठ्यचर्या – प्रयोजनमूलक हिंदी : माध्यम लेखन

3 कर्मांक **(3 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों को जनसंचार माध्यम और हिंदी अवधारणा से परिचित करना।
2. छात्रों को पृष्ठ सज्जा के विविध अंगों से परिचित कराना।
3. छात्रों को संचार क्रांति और सूचना प्रोद्योगिकी से अवगत कराना।
4. छात्रों को भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में सूचना प्रोद्योगिकी की उपादेयता से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	जनसंचार माध्यम और हिंदी : अवधारणा और प्रकार अ) दृश्य माध्यम और प्रयोजनमूलक हिंदी, दृश्य माध्यम में प्रयुक्त भाषा, दृश्य माध्यम के लिए समाचार लेखन। आ) श्रव्य माध्यम और प्रयोजनमूलक हिंदी, श्रव्य माध्यम में प्रयुक्त भाषा, श्रव्य माध्यम के लिए समाचार लेखन।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	प्रतिवेदन रिपोर्ट : परिभाषा और स्वरूप, प्रारूप, शीर्षक पृष्ठ–सज्जा (मेक–अप) के विविध अंग। सामग्री का संयोजन एवं पृष्ठ निर्धारण। कलापक्ष एवं मुद्रण।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	संचार क्रांति एवं सूचना प्रौद्योगिकी का भविष्य : ई–कैश तथा डिजिटल हस्ताक्षर, नेट बैंकिंग, आभासी कक्षा (वर्चुअल क्लासरूम), ई–गोष्ठी, ई–कॉमर्स, ई–फैक्स। विभिन्न क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी की उपादेयता का संक्षिप्त परिचय। सायबर शिक्षा। ई–संसाधनों की सीमाएं।	15 तासिकाएँ

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. इकाई – I, II, III पर (एक + एक + एक) तीन प्रश्न में से एक प्रश्न : 07 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. जनसंचार के विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त
2. जनमाध्यम और मासकल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग : 1, 2) – प्रवीण दीक्षित
4. जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास – देवेंद्र इस्सर
5. सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण – डॉ. किशोर वासवानी
6. जनसंचार – राधेश्याम शर्मा
7. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग – विष्णु राजगढ़िया
8. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग – डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरण बाल
9. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी
10. आधुनिक पत्रकारिता और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया – डॉ. जालिंदर इंगळे
11. जनसंचार और तकनीकी हिंदी : विविध आयाम – डॉ. अनिल काळे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 1 C (S3)** हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय) 3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

———————————————————————————————————

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।

———————————————————————————————————

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	हिंदी साहित्य का कालविभाजन और नामकरण। आदिकाल की पृष्ठभूमि, रासो साहित्य : पृथ्वीराज रासो और कवि चंदबरदायी का परिचय। सिद्ध और नाथ साहित्य : गोरखनाथ का साहित्यिक परिचय। अमीर खुसरो की हिंदी कविता। आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	भक्तिकाल के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक कारण। भक्ति आंदोलन का महत्व, पृष्ठभूमि। निर्गुण काव्य : संत काव्य की विशेषताएँ। संत कबीर का सामान्य परिचय। सूफी काव्य की विशेषताएँ। कवि जायसी का सामान्य परिचय। सगुण काव्य : राम काव्य की विशेषताएँ। कवि तुलसीदास का सामान्य परिचय। कृष्ण काव्य की विशेषताएँ। कवि सूरदास का सामान्य परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	रीतिकाल की सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) सामान्य परिचय। रीतिबद्ध कवि केशवदास का सामान्य परिचय। रीतिसिद्ध कवि बिहारी का सामान्य परिचय। रीतिमुक्त कवि घनानंद का सामान्य परिचय।	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2020–21 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास – डॉ. राजेंद्र मिश्र
12. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास – डॉ. सुमन राजे
13. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
14. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. जालिंदर इंगळे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fifth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 2 C (S4)** भाषाविज्ञान (सामान्य परिचय)

3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।
5. साहित्य–अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	भाषा विज्ञान का नामकरण और परिभाषा, भाषाविज्ञान की शाखाएँ। भाषा विज्ञान का अन्य शाखाओं से संबंध : भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा विज्ञान और साहित्य, भाषा विज्ञान और मनोविज्ञान, भाष विज्ञान और भूगोल।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	ध्वनि विज्ञान : ध्वनि का अर्थ और परिभाषा। ध्वनि यंत्र। ध्वनि गुण : मात्रा, स्वराघात, बलाघात। ध्वनि परिवर्तन के कारण। रूप विज्ञान : अर्थ और परिभाषा। रूप और रूपिम में अंतर रुपिम के भेद : मुक्त रुपिम, बद्ध रुपिम, मुक्तबद्ध रुपिम, रूप परिवर्तन के कारण।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	अर्थ विज्ञान : परिभाषा। अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ। अर्थ परिवर्तन के कारण।	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा– 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
2. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा
3. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान – डॉ. रामानंद तिवारी
4. भाषा विज्ञान – सं. डॉ. राजमल बोरा
5. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा – डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
6. भाषाविज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7. भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा – डॉ. रूपाली चौधरी
8. भाषाविज्ञान – डॉ. जालिंदर इंगळे
9. भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
10. भाषाविज्ञान – डॉ. मधुकर देशमुख
11. सरल भाषाविज्ञान – डॉ. पीतांबर सरोदे, डॉ. विश्वास पाटील।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 1 D (S3)** हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल सामान्य परिचय)

3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

उद्देश्य :

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि से छात्रों अवगत कराना।
2. भारतेंदु युगीन, द्विवेदी युग के काव्य की विशेषताओं से छात्रों को अवगत कराना।
3. आधुनिक काल के रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।
4. हिंदी गद्य के उद्भव और विकास से छात्रों को अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	आधुनिक काल की पृष्ठभूमि भारतेंदुयुगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ। प्रमुख कवि – भारतेंदु हरिश्चंद्र, बद्रिनारायण चौधरी 'प्रेमघन'। द्विवेदी युगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ। प्रमुख कवि – मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	छायावादी काव्य की सामान्य विशेषताएँ। छायावाद के प्रमुख कवि – जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा का सामान्य परिचय। प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि – रामधारी सिंह 'दिनकर', नागार्जुन का सामान्य परिचय। प्रयोगवादी काव्य और प्रमुख कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	हिंदी गद्य का उद्भव और विकास फोर्ट विलियम कॉलेज का योगदान हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय) हिंदी कहानी साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय) हिंदी नाटक साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय)	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक (लघुत्तरी परीक्षा– 20 अंक, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10 अंक)

सत्रांत परीक्षा : 70 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8. हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10. हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के
11. हिंदी साहित्य का नया इतिहास – डॉ. राजेंद्र मिश्र
12. हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. जालिंदर इंगळे।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Discipline Specific Elective 2 D (S4)** हिंदी भाषा और उसका विकास

3 कर्मांक **(3 Credit) + 1***

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप का परिचय देना।
2. छात्रों को भाषाविज्ञान की व्याप्ति समझाना।
3. भाषाविज्ञान के अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
4. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोगात्मक पक्ष को समझाना।
5. साहित्य–अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता समझाना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	भाषा की परिभाषा और भाषा की विशेषताएँ। भाषा के विविध रूप : बोली, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, साहित्यिक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	हिंदी की बोलियाँ : पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, पहाडी हिंदी, राजस्थानी हिंदी। हिंदी का शब्द भंडार : तत्सम शब्द, तद्भव शब्द, देशज शब्द, आगत या विदेशी शब्दों का परिचय।	15 तासिकाएँ
इकाई–**III**	नगरीलिपि का उद्भव और विकास। नागरी लिपि की विशेषताएँ। नागरी लिपि में सुधार की संभावनाएँ।	15 तासिकाएँ
Research Project	1* One Credit for Research Project, field work etc.	

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन – 30 (लघुत्तरी परीक्षा– 20, शोध परियोजना/समूह परियोजना/मौखिक प्रस्तुति/क्षेत्रीय अध्ययन– 10)

सत्रांत परीक्षा – 70

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 3 घंटे अंक : 70

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 3. इकाई – III पर चार में से दो प्रश्न : 14 अंक

प्रश्न 4. इकाई – I, II, III (दो + दो + दो) छह टिप्पणी में से तीन प्रश्न : 21 अंक

प्रश्न 5. तीनों इकाइयों पर (इकाई एक – 4, इकाई दो – 3, इकाई तीन – 3) 07 अंक

दस बहुविकल्पि प्रश्न में से सात के उत्तर।

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
2. हिंदी भाषा संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. आधुनिक भाषाविज्ञान – डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
4. हिंदी का वाक्यात्मक कारण – प्रो. सूरजभान सिंह
5. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

पंचम अयन **(Fitth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Skill Enhancement Course 2 C** पाठ्यचर्या : पटकथा लेखन

2 कर्मांक **(2 Credit)**

———————————————————————————————————

उद्देश्य :

1. छात्रों को स्क्रिप्ट लेखन, अर्थ, परिभाषा से अवगत कराना।
2. छात्रों को कथा, पटकथा और संवाद से परिचित कराना।
3. छात्रों को ड्राफ्ट बनाने से परिचित कराना।

———————————————————————————————————

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन, अर्थ, परिभाषा और सामान्य परिचय। पटकथा (स्क्रिप्ट) के तीन अंग– कथा, पटकथा और संवाद। उदाहरण सहित संक्षिप्त जानकारी। तीनों की परस्परावलंबिता और दृश्य–श्रव्य माध्यम में महत्व। पटकथा (स्क्रिप्ट) लेखन की प्रक्रिया। विचार (आइडिया) – वन लाइनर या लॉग लाइन – सारांश (शीर्षक, कथावस्तु, पात्रों की सूची।) प्लॉट बनाना – पात्रों का परिचय और उन्हें स्थापित करना, पात्रों का विकास। ड्राफ्ट बनाना – इनडोर/आउटडोर, समय, स्थान, संवाद, पात्र की क्रिया और प्रतिक्रिया।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	दृश्य–श्राव्य माध्यम के विभिन्न प्रकारों के लिए स्क्रिप्ट लेखन। (सामान्य दिशा निर्देश) वृत्तचित्र – टेलिफिल्म, शॉर्टफिल्म, विज्ञापन, फिल्म– वॉक थ्रू एवं अन्य – चलचित्र। शॉर्ट फिल्म के लिए स्क्रिप्ट लेखन का विशेष परिचय। पटकथा के प्रारूप और मुख्य सॉफ्टवेयरों की जानकारी।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक (20 अंक : पटकथा लेखन (एकल/समूह पांच छात्र)/ 10 मिनट की लघु फिल्म निर्माण/विज्ञापन निर्माण/ डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म निर्माण। 5 अंक प्रस्तुति के लिए।)

सत्रांत परीक्षा : 25 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 2 घंटे अंक : 25

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और इकाई – II पर दो टिप्पणी में से एक प्रश्न : 05 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी
2. कथा पटकथा संवाद – हूबनाथ
3. पटकथा लेखक एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी
4. पटकथा कैसे लिखें – राजेंद्र पांडे
5. पटकथा लेखन फीचर फिल्म – उमेश राठौर
6. पटकथा लेखन व्यावहारिक निर्देशिका – असगर वजाहत
7. पटकथा सौंदर्य और सृजन – डॉ. चंद्रदेव यादव
8. साहित्य और सिनेमा – डॉ. जालिंदर इंगळे
9. साहित्य और सिनेमा – संपा. डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे
10. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य – डॉ. गोकुळ क्षीरसागर।

***

बी. ए. तृतीय वर्ष कला (शैक्षिक वर्ष 2021–2022 से)

षष्ठ अयन **(Sixth Semester)**

पाठ्यचर्या : **Skill Enhancement 2 D** पाठ्यचर्या : साहित्य और फिल्मांतरण

2 कर्मांक **(2 Credit)**

उद्देश्य :

1. छात्रों में सिनेमा का स्वरूप से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी साहित्य और सिनेमा के अन्तसंबंध से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी उपन्यासों पर आधारित फिल्मों से अवगत कराना।

इकाई	पाठ्यविषय	तासिकाएँ
इकाई–**I**	सिनेमा : स्वरूप विवेचन, सिनेमा की परिभाषा हिंदी फीचर फिल्म के प्रकार हिंदी सिनेमा में अंतर्निहित तत्व हिंदी साहित्य और सिनेमा का अन्तसंबंध भारत में सिनेमा का उद्भव और विकास समानांतर हिंदी सिनेमा इक्कीसवीं सदी में हिंदी सिनेमा।	15 तासिकाएँ
इकाई–**II**	साहित्य का फिल्मांतरण फिल्मांतरण : स्वरूप, महत्व हिंदी उपन्यासों पर आधारित हिंदी फिल्में : सारा आकाश, नौकर की कमीज, चित्रलेखा। हिंदी कहानियों पर आधारित हिंदी फिल्में : सद्गति, तीसरी कसम, मोहनदास।	15 तासिकाएँ

अंक विभाजन पूर्णांक : 50

आंतरिक मूल्यांकन : 25 अंक (20 अंक : विधारूपांतरण, 05 अंक : प्रस्तुति।)

सत्रांत परीक्षा : 25 अंक

सत्रांत परीक्षा – प्रश्नपत्र का प्रारूप :

(शैक्षिक वर्ष 2021–22 से आगे)

समय : 2 घंटे अंक : 25

प्रश्न 1. इकाई – I पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 2. इकाई – II पर चार में से दो प्रश्न : 10 अंक

प्रश्न 3. इकाई – I और इकाई – II पर दो टिप्पणी में से एक प्रश्न : 05 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. तेजपाल चौधरी
3. हिंदी सिनेमा आदि के अनंत – डॉ. प्रहलाद अग्रवाल
4. भारतीय सामाज हिंदी सिनेमा और स्त्री – सुलभा कोरे
5. हिंदी सिनेमा एक अध्ययन – राजेश कुमार
6. साहित्य और सिनेमा – डॉ. जालिंदर इंगळे
7. साहित्य और सिनेमा – संपा. डॉ. पुरुषोत्तम कुंदे।
8. सिनेमा और फिल्मांतरित हिंदी साहित्य – डॉ. गोकुळ क्षीरसागर।

***